य में आयुर्वेद की बढ़ती लोकप्रि
पहुँचाने के लिए शोध जरूरी-प्रो

स है कि आयुर्वेद ही भारत
न विश्व गुरु बनाने का कार्य
।
स बी एम मेडिकल कॉलेज
र की प्रो सीमा द्विवेदी ने
। कि अच्छी शोध के द्वारा ही
द को चिकित्सा के क्षेत्र में
र पहुंचाया जा सकता है।
। आगे कहा कि एमडी व
डी के छात्रों को आयुर्वेद की
रक आवश्यकता को सिखाया
क उद्देश्य से सांख्यिकी गणना
नुसार आयुर्वेद को स्थापित
जाने का उत्तर प्रदेश में यह
पहला प्रयास है। इसके माध्यम से आयुर्वेद के अन्य महाविद्यालयों में शुरूआत की जाएगी।

कानपुर से सांख्यिकी निदेशक डॉ शुभम पाण्डेय ने बताया कि बीस हजार से ज्यादा मेडिकल प्रोफेसलन को वर्कशाप के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जा चुका है। आयुर्वेद के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश में यह पहला प्रशिक्षण केन्द्र है जो छात्रों के थिसिस पेपर शोध की क्वालिटी बढ़ाये जाने के लिए अत्यधिक लोकप्रिय रहेगा। इस प्रशिक्षण के माध्यम से यदि छात्र शोध परक कार्य करेंगे तो विश्व में स्वीकारिता आसानी से हो पायेगी।

प्रो एसके सिंह, निदेशक चिकित्सा विज्ञान संस्थान ने बताया की आयुर्वेद को माडर्न मेडिसीन के साथ इन्टीग्रेट करके शोध परक कार्य विश्व के मानकों पर कार्य करने की वर्तमान में आवश्यकता है। आयुर्वेद व आधुनिक चिकित्सा के चिकित्सकीय विधि व चिकित्सा में अत्यधिक समानता है, बस दोनों के मध्य सांख्यिकीय गणना के द्वारा पुल बनाकर जोड़कर एक महत्वपूर्ण कार्य नई दिशा के साथ चिकित्सा व्यवस्था में सुदृढ़ता प्रदान किया जा सकता है। इस दिशा में हम सभी लोग प्रयासरत हैं।

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. वी. के शुक्ल ने बताया कि नोडल केन्द्र बनाया गया, यह पहला केन्द्र विश्व में नई कीर्तिमान स्थापित कर सकता है।

उन्होंने आगे कहा कि आज आयुर्वेद में सकाय में इसकी शुरूआत हो रही है। इसका मुख्य कारण कोविड 19 में आयुर्वेदिक औषधियों की महत्वपूर्ण उपयोगिता रही है। इसको एविडेंस बेस बनाने के लिए

अच्छ
समय
शोध
द्वारा
प्राप्त
चिकि
कैंसर
आयु
परक
सकत
इसने
सैम्पल
करके
किया
से क
जाय
चिकि
की
सकाय
केएन
देते
प्रोग्राम
बनाने
को
विषय
में यह
किसी
शुरू
की
अनि